

DAY #3 CPC

1. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 कौन-सी तारीख से प्रभाव में आई?/From which date Civil Procedure Code, 1908, became operative?

- (a) 1st January, 1908
- (b) 1st April, 1908
- (c) 31st December, 1908
- (d) 1st January, 1909

Bonus Round

- 1. CHAPT.
- 2. Secs
- 3. Scheds
- 4. LIST
- 5. Rules

LINKING 10

Rules

CR
0.11-51

Date
Apply
Not Apply

2. एक न्याय निर्णयन की औपचारिक अभिव्यक्ति, जहां तक न्यायालय द्वारा इसे व्यक्त करने का संबंध है, निर्णायक रूप से पक्षों के अधिकारों को निर्धारित करता है, वह है- / Formal expression of an adjudication which, so far as regards the court expressing it, **conclusively determines rights of the parties, is**

(2) (9)

(14)
Order

- (a) डिक्री/Decree
- (b) आदेश/Order
- (c) निर्णय/Judgment
- (d) अपीलीय आदेश/Appellate order

Pre.
Final

P---F

2

Decree

Statutory

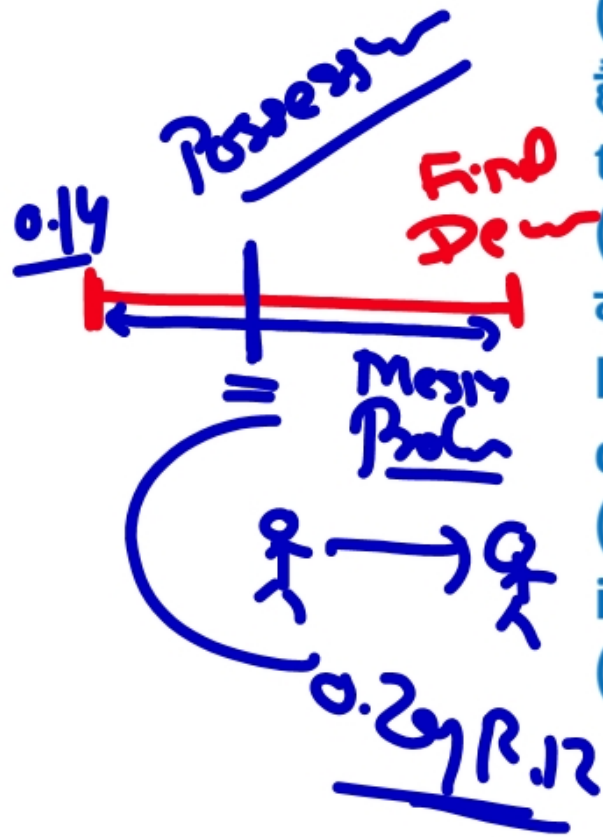
Definition*

Sec. 2(2)

⊕
Include

⊖
Exclude

3. कोई डिक्री प्रारंभिक होती है: / A decree is preliminary;
- (a) जब वह वाद की प्रारंभिक स्टेज पर जारी की जाती है / When it is issued in the preliminary stages of the suit
 - (b) जब वाद के पूरी तरह से निस्तारण से पहले आगे की कार्यवाही की जानी है / When **further proceedings** have to be taken before the suit is completely disposed of
 - (c) जब यह कुछ प्रारंभिक विवादों से सम्बन्धित हो / When it deals with some preliminary issues
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of the above

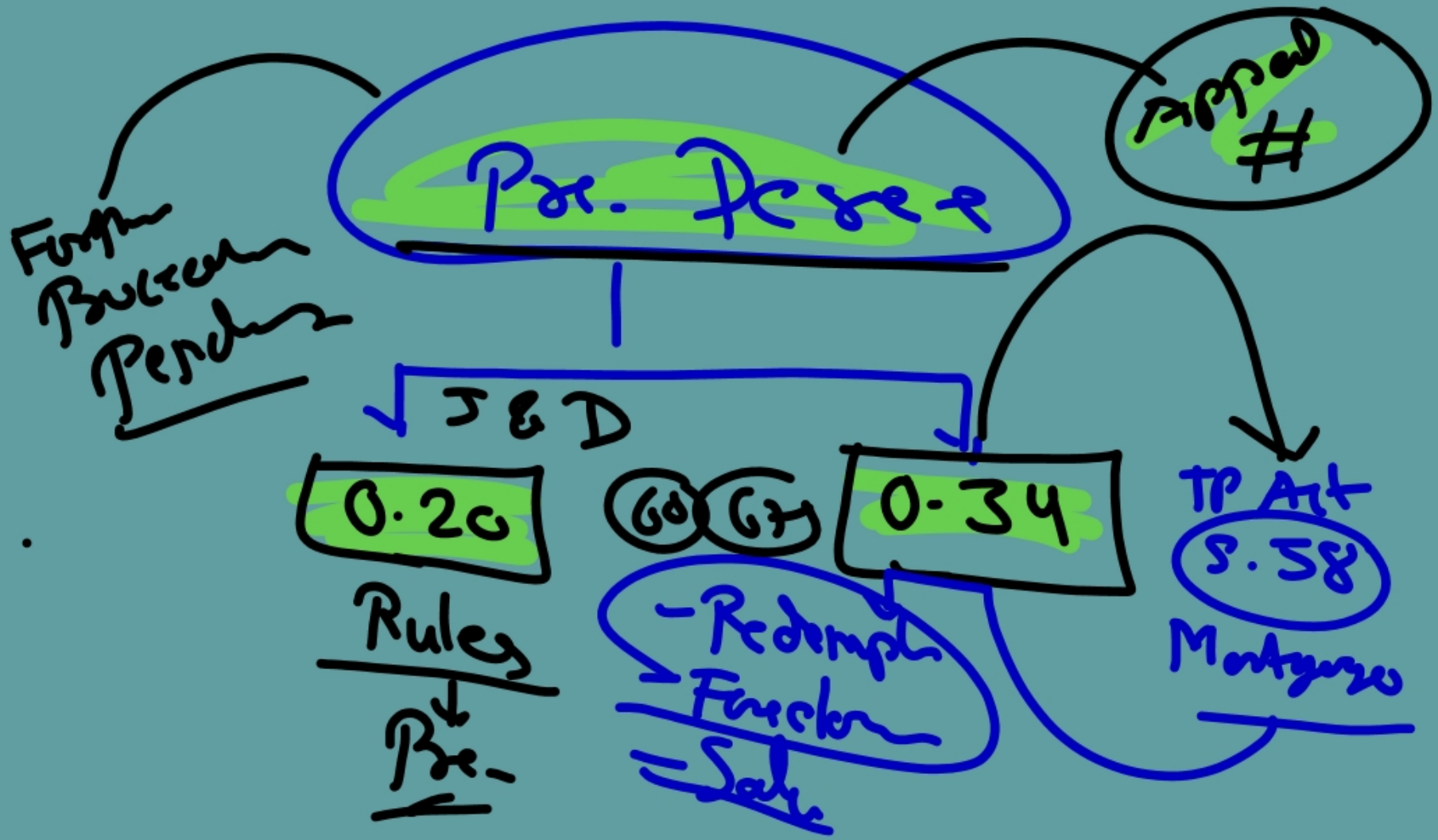


Final Decree

फ़रत शर्क

Disposal (विघटन)

PARTITION : SH/SHK OWN



4. सी.पी.सी. के तहत निम्नलिखित में से कौन-सा डिक्री नहीं है?/Under C.P.C., which of following is not a decree? **Decree : ORDER x**

2(2)

O.7, R.11
SEC. 144
Decree
Decree

(a) डिफॉल्ट में वाद को खारिज करना/Dismissal of suit in default

(b) दावे को खारिज करना/Rejection of a plaint

(c) डिफॉल्ट में वाद को खारिज करना एवं दावे को खारिज करना/Dismissal of suit in default & rejection of a plaint

(d) कोई नहीं/None

Dismiss : Default

SEC. 11

Formal Sub
[Final Disposal]

Link

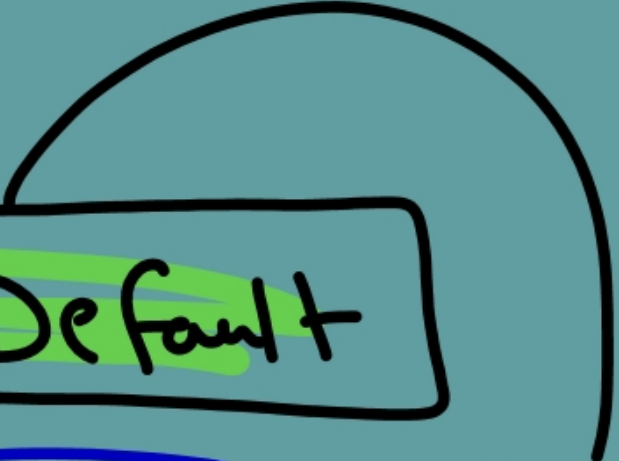
S. 2(2)

Dismiss (Defu)

⊗ Decree

Finally Decree

Rejection



2 (2)

20. कोर्ट फीस का भुगतान नहीं किये जाने पर न्यायालय द्वारा वाद को खारिज करते हुए पारित किये गये आदेश की प्रकृति क्या होगी? / What will be the nature of an order passed by Court rejecting the plaint for non-payment of a **Court fee?**

0-7, R. 11

Plaint: Rejected

(a) डिक्री/Decree

(b) प्रारंभिक डिक्री/Preliminary decree

(c) अन्तर्वर्ती डिक्री/Interlocutory Order

(d) अंतिम डिक्री/Final Order

0-7, R. 11 (c)

Q: Insufficiently Stamped:

Court Fee
↓
Stamp

B.P.L

Alphabet Ted.

0.7, R.11

CoA

Under
Value
Below

a = action

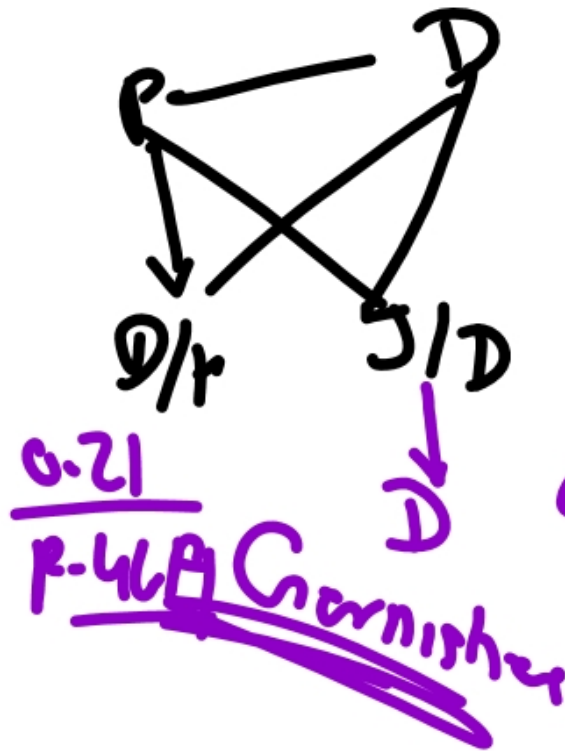
b = below Value

c = Count Fe

Under value
Result

A	0.7.	R.11	(A)
B	"	"	B
C	"	"	C
D	"	"	D

6. 'डिक्रीदार' से आशय कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पक्ष में कोई डिक्री पारित की गई है या कोई निष्पादन योग्य आदेश किया गया है। शब्द 'डिक्रीदार' की यह परिभाषा किसके तहत वर्णित है: / 'Decree holder' means any person in whose favour a decree has been passed or an order capable of execution has been made. This definition of the term 'decree holder' is mentioned under:



- (a) सीपीसी की धारा 2(2)/Sec. 2(2), C.P.C.
- (b) सीपीसी की धारा 2(3)/Sec. 2(3), C.P.C.
- (c) सीपीसी की धारा 2(4)/Sec. 2(4), C.P.C.
- (d) सीपीसी की धारा 2(d)/Sec. 2(d), C.P.C.

7. 'न्यायाधीश' को सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा के तहत पीठासीन अधिकारी के रूप में परिभाषित किया गया है-
/'Judge' is defined as the presiding officer of a Civil Court under of the Code of Civil Procedure, 1908

2(13)

(a) धारा 2(8)/Section 2(8)

(b) धारा 2(4)/Section 2(4)

(c) धारा 2(5)/Section 2(5)

(d) धारा 2(2)/Section 2(2)

2(9)

2(10)

2(11)

2(12)

Ⓒ

Ⓓ

8. सी.पी.सी. की धारा 2(11) के तहत विधिक प्रतिनिधि से आशय ऐसे व्यक्ति है जो-/Legal representative under Section 2(11) of C.P.C. means a person who is a
- (a) वाद के पक्षकारान का रिश्तेदार है/Relative of parties to the suit
 - (b) वादकेपक्षकारोंकोमानेजानेवालेलाभोंकासह-भागीदार/Co-sharer of the benefits assuming to the parties to the suit
 - (c) मृत व्यक्ति की सम्पदा का विधि की दृष्टि से प्रतिनिधित्व करता है/Who in law represents the estate of the deceased
 - (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

Jordan
Linton

G.I.R.

LR = 3
4
2

O.I.R. 8
S.I.I., E.H.

100
M3

2(11)

①'s Estate Represent

②'s Estate Intermedu

Death

Representative Just

By Agents

Death

9. सिविल प्रक्रिया संहिता की कौन-सी धारा में अन्तःकालीन लाभों को परिभाषित किया गया है?/Which of the following Sections of the Code of Civil Procedure defines the 'Mesne Profit'?

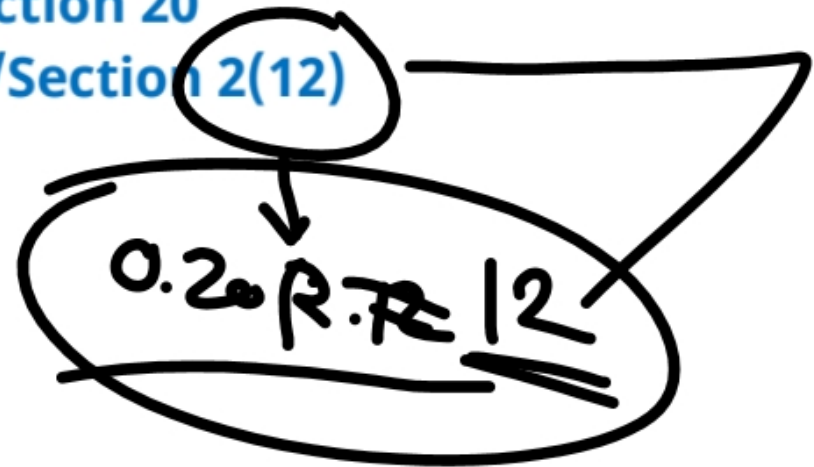
(a) धारा 2(4)/Section 2(4)

(b) धारा 2(14)/Section 2(14)

(c) धारा 20/Section 20

(d) धारा 2(12)/Section 2(12)

Remed



10. सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 2(12) में परिभाषित अनुसार अन्तःकालीन लाभ से आशय ऐसे लाभो से है जो कोई व्यक्ति सदोष कब्जे से प्राप्त करता है-/Mesne profits as defined under Section 2(12) Code of Civil Procedure means those profits which the person in wrongful possession of

2(12)

(a) ऐसी संपत्ति वास्तव में प्राप्त हुई है या ब्याज सहित प्राप्त हो सकती है/such property actually received or might have received together with interest. ① ②

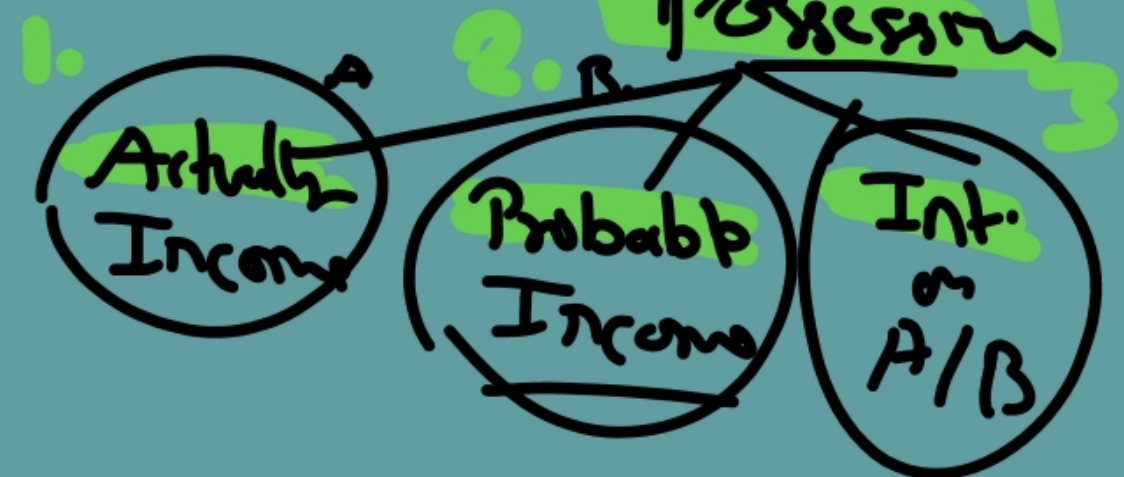
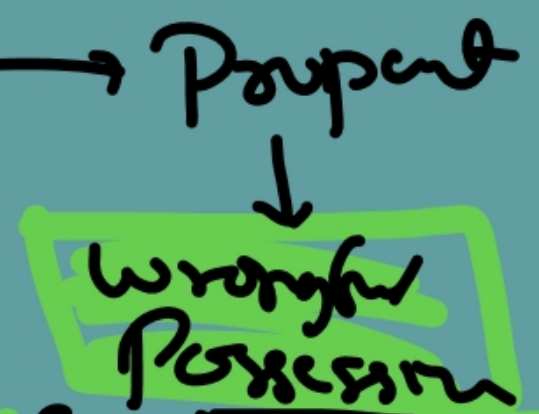
(b) ऐसे व्यक्ति द्वारा किए गए सुधारों के कारण लाभ सहित वास्तव में प्राप्त संपत्ति/property actually received including profits due to improvements made by such person. Exclud ④

(c) ऐसी संपत्ति वास्तव में प्राप्त हुई है या प्राप्त हो सकती है लेकिन इस तरह के मुनाफेपर कोई ब्याज नहीं है/such property actually received or might have received but without any interest on such profits. 3+

(d) ऐसी संपत्ति वास्तव में प्राप्त हुई/such property actually received 3+



$z(12) = \text{Profit} \Rightarrow$



11. सीपीसी की धारा 2(17) के अर्थ के भीतर निम्नलिखित में से कौन "एक लोक सेवक" है?/Who amongst the following is not "a public officer" within the meaning of Section 2(17) of CPC?

(a) एक न्यायाधीश/A Judge

(b) ग्राम पंचायत का सरपंच/Sarpanch of a Gram Panchayat

(c) सेवारत व्यक्ति जो सरकार से वेतन लेता है/A person in the service getting pay from the Government

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

2(17) 5.21 ✓

12. सिविल प्रक्रिया संहिता की कौन-सी धारा के तहत न्यायालय की "धन सम्बन्धी अधिकारिता" का प्रावधान किया गया है?/Under which Section of the Civil Procedure Code "**Pecuniary Jurisdiction**" of the Court has been provided?

Swt
↓
Subjed
Matter
Valu

- (a) धारा 3/Section 3
- (b) धारा 4/Section 4
- (c) धारा 5/Section 5
- (d) धारा 6/Section 6

धन

RAJ. CIVIL
CC
X

13. सिविल प्रक्रिया संहिता की कौनसी धारा में "सिविल प्रकृति का वाद" से संबंधित प्रावधान उपबंधित किए गए हैं?/In which Section of the Civil Procedure Code provision relating to "Suit of a Civil nature" has been provided?
- (a) धारा 8/Section 8
 - (b) धारा 9/Section 9
 - (c) धारा 10/Section 10
 - (d) धारा 11/Section 11

CIVIL NATURE

(+)

SR

Conjugal Rights

Religious Practices

Worship ←
Rent Arrear
Accounts.
Right to Property
Civil Wrong
Declaration
Office
Bunal / Furchu

(-)

Protected Tenent
Electon

Religious sites

Voluntary Offences
(Recover)

CASTE QUES. (Munkh)
Secrecy / RTI / Political
Saru

Court

"C.
Langni"

Civil Non

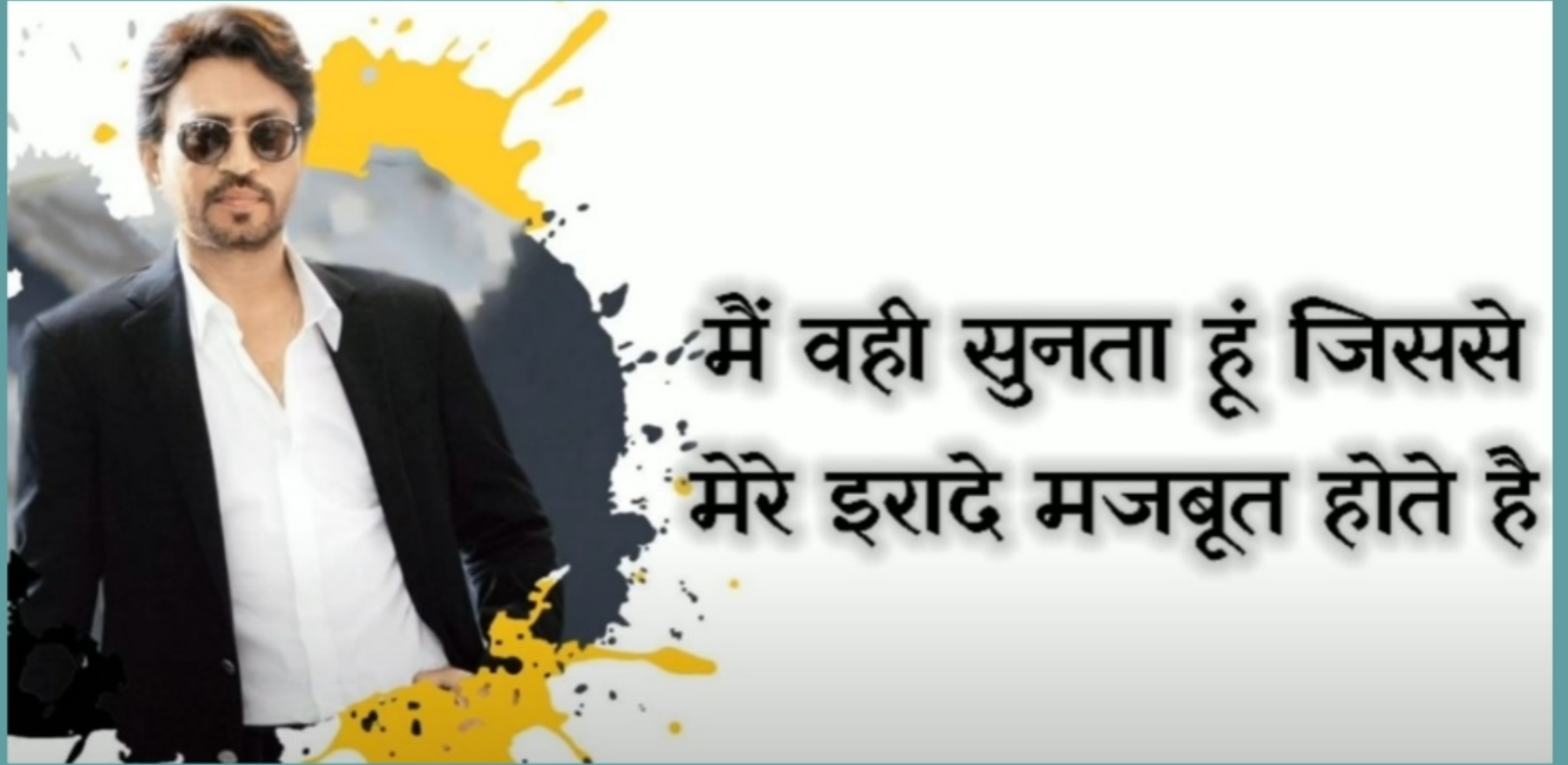
R + S

Q

14. सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत, एक वादकारी जिसे सिविल प्रकृति की शिकायत है उसे सिविल प्रकृति का वाद प्रस्तुत करने का अधिकार है, इसका प्रसंज्ञान है-/Under Civil Procedure Code, **litigant having a grievance of Civil nature has a right to institute a Civil suit, its cognizance is**
- (a) स्पष्ट रूप से वर्जित नहीं/Not expressly barred
 - (b) विवक्षित वर्जित/Impliedly barred
 - (c) स्पष्ट एवं विवक्षित वर्जित/Expressly and Impliedly barred
 - (d) इनमें से कोई नहीं/None of these

Jo Karna Hai Aaj
Kar Lo, Kal To Khud
Bhi Kal Ke Intezaar
Mai Hai. 😊





मैं वही सुनता हूं जिससे
मेरे इरादे मजबूत होते हैं

15. निम्नलिखित में से कौन-सा सिविल प्रकृति का वाद है:/Which of the following is a right of civil nature:
- (a) मंदिर में चढावे में हिस्से का अधिकार/Right to share in offerings in a temple
 - (b) जुलूसनिकालनेका अधिकार/Right to take out procession
 - (c) मंदिर में पूजा का अधिकार/Right to worship in a temple
 - (d) उपरोक्त सभी/All of these

16. सीपीसी की कौन-सी धारा में सब-ज्युडिश का उपबंध किया गया है?/Which Section of the CPC lays down the rule of res sub judice?
- (a) धारा 15/Section 15
 - (b) धारा 13/Section 13
 - (c) धारा 11/Section 11
 - (d) धारा 10/Section 10



JUDICIARY

RJS MOCK TEST

(Only Law Questions)

TEST



TANSUKH PALIWAL

Free of Cost

**Solve 100 questions
in 120 minutes**

24th November, at 5:00 PM



JUDICIARY

LINKING

JUDICIARY LINKING BATCH

1 Year Inclusive Batch for Judiciary Exam



Sarthak Sharma | Shivani Solanki | Tansukh Paliwal
Jagdishchandra Jangid | Surya Prakash Sharma

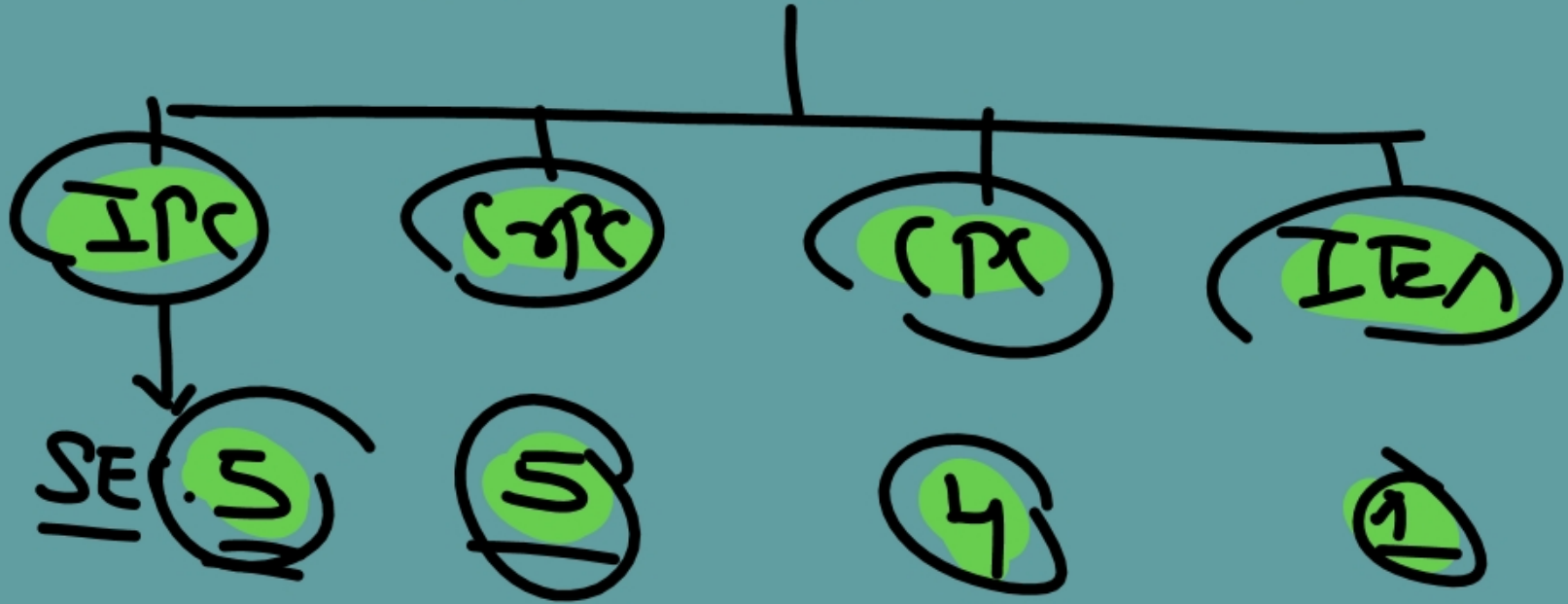


Batch Duration - 1 Year | Start Date - 27th October '21

17. सिविल न्यायालयों का क्षेत्राधिकार निम्नलिखित में से किन कार्यवाहियों में वर्जित है- / Civil Court's jurisdiction is **barred** in proceedings under
- (a) औद्योगिक विवाद अधिनियम / Industrial Disputes Act
 - (b) आयकर वसूली एवं आयकर अधिनियम / Income tax recovery under Income Tax Act
 - (c) प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम / Administrative Tribunal Act
 - (d) उपरोक्त सभी / All of the above

SE. 4
—

Non-Applications



18. क्या किसी विदेशी न्यायालय में वादकेलं बितरहने से भारत की न्यायालय को उसी वादकारण के आधार परवाद की सुनवाई करने से रोक सकती हैं?/Whether the pendency of a suit in a foreign court will preclude the courts in India from trying a suit founded on the same cause of action?

(a) हां/Yes

✓ (b) नहीं/No

(c) यह वाद की प्रकृति पर निर्भर करता है/It will depend on the nature of the suit

(d) निष्कर्ष वाद के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा/Finding will be laid on valuation of the suit [b]

SE.C. 10
Proviso
FC

BAR / Debar

19. 'क' एक किराएदार ने 'ख' मकान मालिक के विरुद्ध यह कहते हुए स्थाई निषेधाज्ञा का वाद प्रस्तुत किया कि 'ख' उसे बलपूर्वक बेदखल करने की योजना बना रहा है, अतः उसे विधि की समुचित प्रक्रिया अपनाए बिना बेदखल नहीं किया जाए। उपरोक्त वाद के लंबित रहने के दौरान 'ख' बलपूर्वक 'क' को बेदखल करने का प्रयास करता है। 'क' एक और वाद निषेधाज्ञा हेतु प्रस्तुत करता है।/ 'A' the tenant files a suit for permanent injunction against 'B' the landlord for not to be dispossessed except by due process of law pleading that 'B' is planning to forcibly dispossess him. During the pendency of above suit, 'B' attempts to forcibly disposes 'A'. 'A' files another suit for injunction.

- X (a) द्वितीय वाद रेस-ज्युडिकेटा से बाधित है/The second suit is barred by res judicata
- ✓ (b) रेस सब-ज्युडिश का नियम लागू होगा/The rule of res sub judice will apply
- (c) दोनों ए एवं बी/Both a and b
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

20. निम्नलिखित में से कौन-सी सूक्ति पर "रेस ज्युडिकेटा" का सिद्धांत आधारित है?/On which of the following maxim the doctrine of "Res Judicata" is based?

Agent —

Illegal
Act

(a) Qui facit per alium facit per se

(b) Ex turpi causa non oritur actio

(c) Interest reipublicae ut sit finis litium

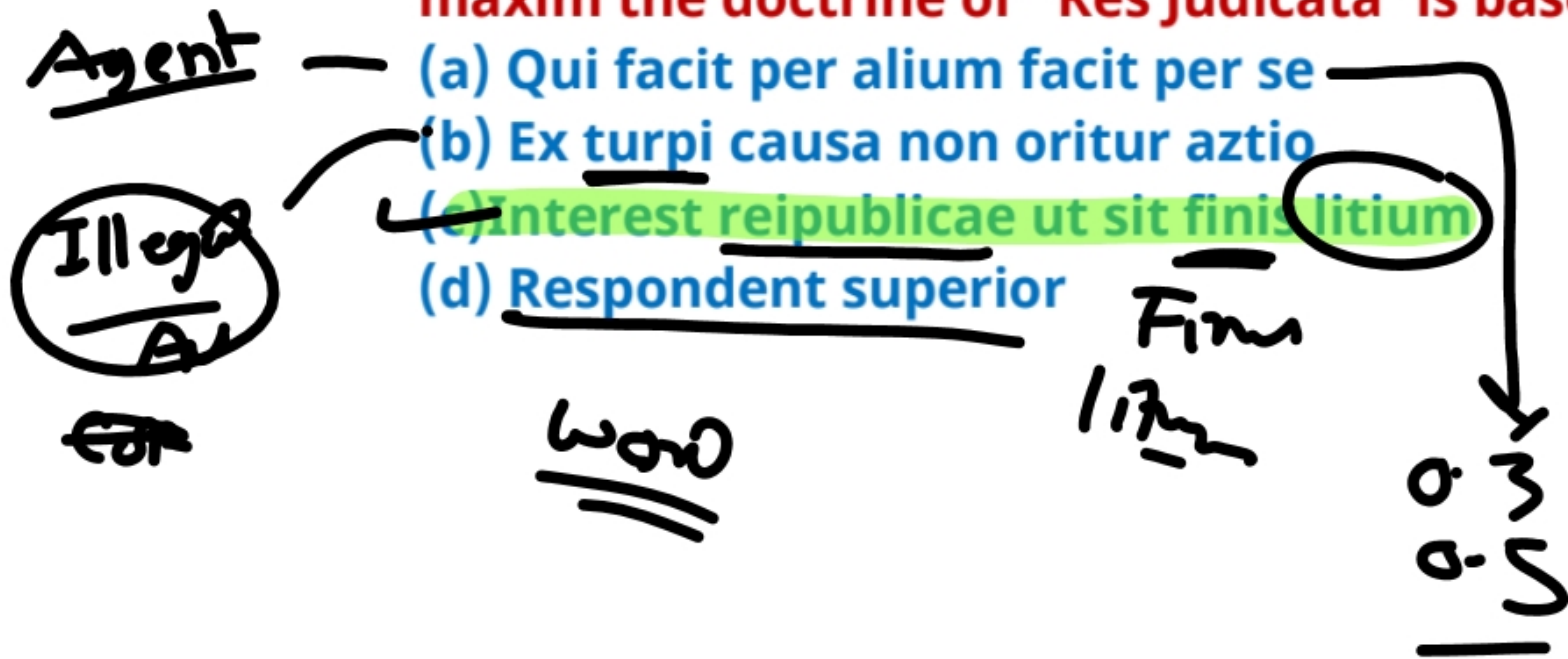
(d) Respondent superior

Law

Law

Law

Law



LINKING LAWS



Tansukh Paliwal

Get 10% off

On Unacademy
plus subscription

LINKING10



Mentored more than 20K Students for Law exams



Judiciary: 8+ Year Teaching Experience (viz. Linking tech.)



Subjects Taken

- **All Civil and Criminal Law
(Special Orientation for Major law)**



PLUS



Live Classes



Weekly Tests



Study Planner



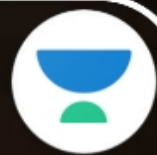
Structured Courses



Unlimited Access



Test Analysis



Unacademy Subscription

Plus Subscription Benefits

- ✓ India's Best Educators
- ✓ Interactive Live Classes
- ✓ Live Test & Quizzes
- ✓ Structures Courses & PDFs

LINKING10

× Judiciary - PCS (J) subscription

- ✓ India's best educators
- ✓ Daily interactive live classes
- ✓ Structured courses and PDFs
- ✓ Live Mock Tests & Quizzes

24 months ₹1,875/mo
No cost EMI +10% OFF ₹45,000 >

18 months ₹2,109/mo
No cost EMI +10% OFF ₹37,969 >

12 months ₹2,578/mo
No cost EMI +10% OFF ₹30,938 >

6 months ₹3,750/mo
No cost EMI +10% OFF ₹22,500 >

3 months ₹4,688/mo
+10% OFF ₹14,063 >

1 month ₹5,625/mo
+10% OFF ₹5,625 >

10%
DIS

JUDICIARY LINKING BATCH

~~6~~ MONTHS COURSE

BY **TANSUKH PALIWAL & TEAM**

STARTING FROM JULY 28, 2021

FOR MP, HARYANA, RAJASTHAN, UP, DELHI, BIHAR,
JHARKHAND & OTHER STATE JUDICIARY EXAMS



BUGS BOUNTY



Opportunity for all Learners to report any inappropriate content in the video

Be the first one to report a particular issue to claim your prize

Report any inappropriate content using the form in the description





21. **रेस ज्युडिकेटा से आशय है-/Res-judicata means-**
- (a) एक समान पक्षकारों एवं समान विवाद वाद पूर्व वाद के लंबित रहने के दौरान वाद का स्थगन /Staying the suit during **pendency** of the previous suit between the same parties involving similar issues
 - ✓ (b) वाद को विचारित नहीं करना यदि समान पक्षकारों के मध्य समान विवाद निर्णित हो/Not trying the suit if suit involving similar issues between similar parties is **decided**
 - (c) और वाद का वर्जन/Bar to further suit
 - (d) वाद का वृहत विचारण/Expending trial of the suit

22. रचनात्मक रेस ज्युडिकेटाका नियम है-/The rule of constructive res judicata is

(a) न्यायिक निर्वचन की उपज/A product of judicial interpretation

(b) समता का नियम/A rule of equity

(c) सीपीसी में स्पष्ट रूप से दिया हुआ है/Contained expressly in C.P.C.

(d) सर्वोच्च न्यायालय नियमों का हिस्सा है/A part of Supreme Court rules

S. 11
Exp (D)

23. बिना क्षेत्राधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय अथवा निष्कर्ष-
/A decision or finding given by court without jurisdiction

(a) सभी परिस्थितियों में रेस ज्युडिकेटा के रूप में क्रियान्वित हो सकता है/Can operate as resjudicata under all circumstances

(b) रेस ज्युडिकेटा से अलग नहीं हो सकता /cannot operate as resjudicata

(c) केवल कुछ परिस्थितियों में रेस ज्युडिकेटा के रूप में क्रियान्वित हो सकता है/can operate as resjudicata under certain circumstances only.

(d) रेस ज्युडिकेटा के रूप में क्रियान्वित हो सकेगा या रेस ज्युडिकेटा के रूप में क्रियान्वित नहीं हो सकेगा/may operate as resjudicata or may not operate as resjudicata.

Ex. P. ②
Competent
Court
↓
Juris

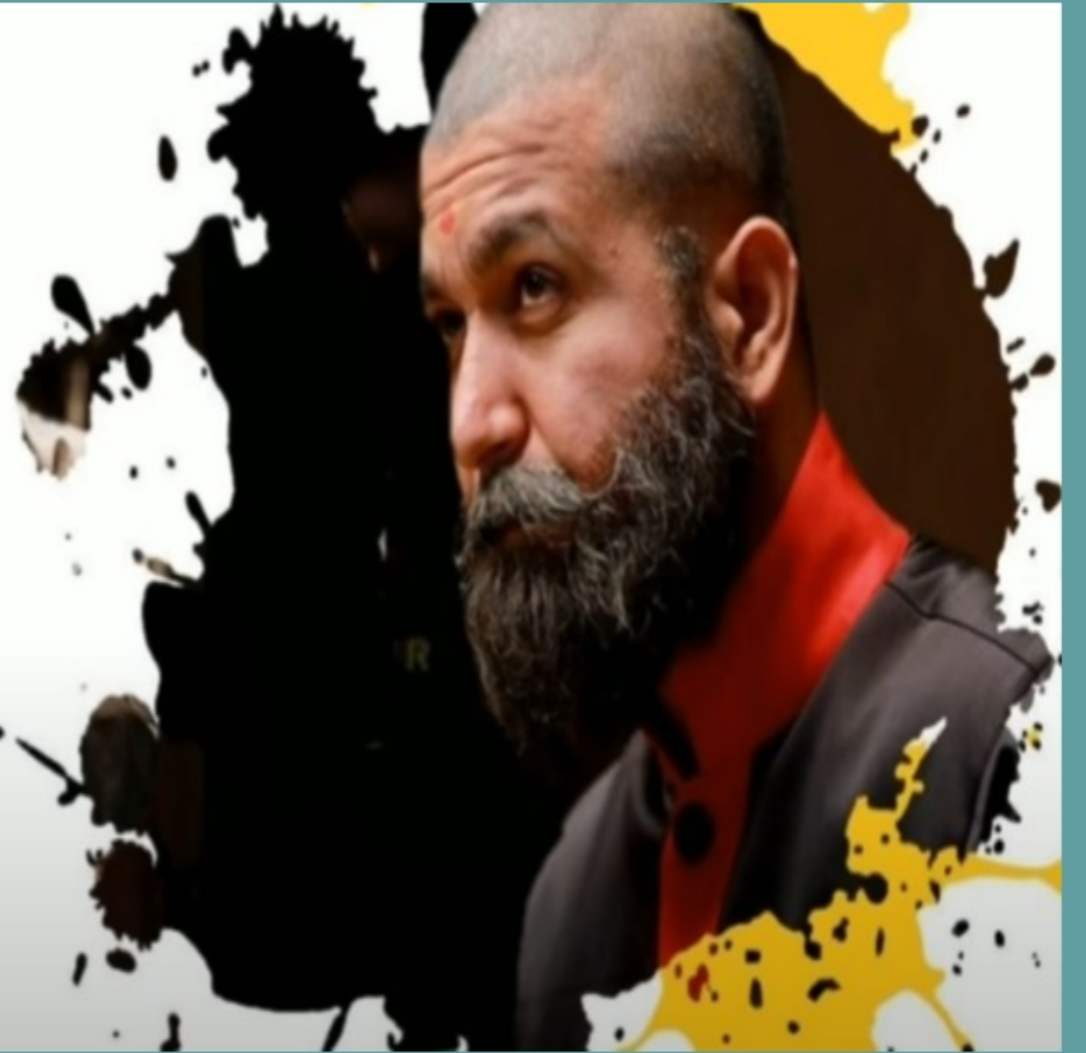
24. यदि वाद वादी की डिफॉल्ट में खारिज किया जाता है एवं बाद में कुछ पक्षकारों के मध्य वाद होता है, तो प्रथम वाद में निर्णय: /If the suit is dismissed due in default of the plaintiff and if there is subsequent suit between some parties, then decision in the first suit:
- (a) परिणामस्वरूप रेस ज्युडिकेटा /amounts to res judicata
 - (b) परिणामस्वरूप रेस सब ज्युडिश/amounts to res sub-judice
 - (c) परिणामस्वरूप रेस ज्युडिकेटा नहीं/does not amount to res judicata
 - (d) परिणामस्वरूप रेस सब ज्युडिश नहीं/amounts to stay of subsequent suit

—

25. रेस ज्युडिकेटा किनके मध्य क्रियान्वित होता है-/Res judicata may operate between
- (a) एक वादी एवं एक प्रतिवादी/a plaintiff and a defendant
 - (b) सह वादीगण/co-plaintiffs
 - (c) सह प्रतिवादीगण/co-defendants
 - (d) उपरोक्त सभी/all of the above

शेर हो या हिरण

भागना तो पड़ेगा



0.39

Co-defendant

26. रेस ज्युडिकेटा का सिद्धान्त प्रतिवादीगण के मध्य भी उपलब्ध है। निम्नलिखित में से कौन-सा सह-प्रतिवादीगण को बाध्य करने के लिए आवश्यक शर्त नहीं है?/The principle of res judicata is also applicable between co-defendants. Which one of the following is not an essential condition to bind the co-defendants?

- (a) सह प्रतिवादीगण द्वारा संयुक्त जवाब दावा प्रस्तुत किया जाना चाहिए।/The Co-defendants must have filed joint written statement
- (b) संबंधित प्रतिवादीगण के मध्य हितों का टकराव होना चाहिए/There must be conflict of interest between the defendant concerned
- (c) वादी द्वारा मांग गए अनुतोष को प्रदान करने के क्रम में इस टकराव को निर्णित करना आवश्यक है/It must be necessary to decide this conflict in order to give the plaintiff the relief he claims
- (d) प्रतिवादीगण के मध्य प्रश्न का अंतिम रूप से निर्णय होना चाहिए।/The question between the defendants must have been finally decided

27. A files a suit against B seeking **three reliefs**. The matter was decreed in A's favour and the first relief was partially granted to A. The decree was **silent** as to the other two reliefs. Can A file a **second suit** in the same matter seeking the further two reliefs

Espe. Refund

- (a) No, because the bar of res judicata will apply
- (b) Yes, the bar of res judicata will not apply since the court did not address these reliefs.
- (c) Yes, because it will be assumed that the plaintiff was not given a fair hearing
- (d) The Court has to determine, on a case by case basis, whether by not addressing the reliefs in the first case, the plaintiff was denied a fair hearing. If the Court determines that the plaintiff was denied a fair hearing, then a second suit is permitted.

27. क ने ख के विरुद्ध तीन अनुतोष मांगते हुए एक वाद दायर किया। मामला क के हक में निर्णित हुआ एवं प्रथम अनुतोष आंशिक रूप से क को प्रदान कर दिया

गया। अन्य दो अनुतोषों के बारे में डिक्री में कुछ भी नहीं कहा गया। क्या क इसी मामले में दो अन्य अनुतोष चाहते हुए दूसरा वाद प्रस्तुत कर सकता है?

(a) नहीं, क्योंकि रेस ज्युडिकेटा का वर्जन लागू होगा

(b) हां, रेस ज्युडिकेटा का वर्जन लागू नहीं होगा क्योंकि न्यायालय ने उन अनुतोषों पर ध्यान नहीं दिया

(c) हां, क्योंकि यह कल्पना की जाएगी कि वादी की निष्पक्ष सुनवाई नहीं की गई।

(d) न्यायालय को मामला दरमामला आधार पर निर्धारित करना होता है, कि क्या पहले मामले में अनुतोषों पर ध्यान नहीं देने से वादी की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हुई। यदि न्यायालय यह निर्धारित करता है कि वादी की निष्पक्ष सुनवाई नहीं की गई, तो दूसरे वाद की अनुमति प्रदान की जाएगी।/

28. सीपीसी की धारा 13 के तहत निम्नलिखित में कौन-सा निर्णय निर्णायक नहीं है?/Under Section 13 of CPC which of the following judgments shall not be conclusive?

S. 14
Judgment
Pro.

(a) निर्णय जो गुणावगुण पर नहीं हो/Judgment not on merit.

(b) निर्णय भारतीय कानून के उल्लंघन में हो/Judgment founded on breach of Indian law.

(c) अन्तराष्ट्रीय विधि के विरुद्ध निर्णय /Judgment against International law.

(d) उपरोक्त सभी/All of the above

29. सीपीसी की धारा 14 अधिनियमित करती है कि न्यायालय विदेशी निर्णय की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर यह मान लेगा कि ऐसा निर्णय सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय द्वारा सुनाया गया था। यह अनुमान है- /Section 14 of CPC enacts that the Court shall presume, upon the production of a certified copy of a foreign judgment, that such judgment was pronounced by a Court of competent jurisdiction. This presumption is
- (a) तथ्य की खण्डनीय उपधारणा/rebuttable presumption of fact
 - (b) तथ्य की अखण्डनीय उपधारणा/irrebuttable presumption of fact
 - (c) विधि की खण्डनीय उपधारणा/rebuttable presumption of law
 - (d) विधि की अखण्डनीय उपधारणा /irrebuttable presumption of law



30. Which of the following statements **s true?** / निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

S.16

✓ (a) A suit for recovery of immovable property shall be instituted in the court in whose jurisdiction the property is **situated.** / अचल संपत्ति की वसूली के लिए एक मुकदमा अदालत में स्थापित किया जाएगा जिसके अधिकार क्षेत्र में संपत्ति स्थित है।

X (b) A suit for **partition** of immovable property shall be instituted in the court in whose jurisdiction the defendant **resides or works for gain.** / संपत्ति की संपत्ति की स्थापना के लिए, यह संपत्ति के क्षेत्र में संपत्ति की स्थापना के लिए उपयुक्त है।

(c) Both a and b/ A और B दोनों

(d) Neither a nor b/ ए और बी दोनों नहीं

21, 21A, 22, 23, 24, 25

31. Section 18 of the Civil Procedure Code provides for / सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 18 में प्रावधान है

(a) Place of institution of suit in respect of immovable property where the property is situated in the jurisdiction of one court / अचल संपत्ति के संबंध में वाद की संस्था का स्थान जहां संपत्ति एक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में स्थित है

(b) Place of institution of suit in respect of immovable property where the property is situated in the jurisdiction of different courts / अचल संपत्ति के संबंध में वाद की संस्था का स्थान जहां संपत्ति विभिन्न न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में स्थित है

(c) Place of institution of suits in respect of immovable property where the local limits of jurisdiction of courts are uncertain / अचल संपत्ति के संबंध में वादों के संस्थापन का स्थान जहां न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाएं अनिश्चित हैं

(d) All the above / उपरोक्त सभी

21, 21A, 22, 23, 24, 25

32. 'A' residing in Mumbai publishes statements defamatory against 'B' in Delhi. Where can 'B' file a suit for compensation against 'A'? / मुंबई में रहने वाला 'ए' दिल्ली में 'बी' के खिलाफ मानहानिकारक बयान प्रकाशित करता है। 'बी' 'ए' के खिलाफ मुआवजे के लिए कहां वाद दायर कर सकता है?
- (a) Only at Delhi / केवल दिल्ली में
 - (b) Only at Mumbai / केवल मुंबई में
 - (c) Either in Delhi or Mumbai / या तो दिल्ली में या मुंबई में
 - (d) Where 'B' himself resides / जहाँ 'B' स्वयं निवास करता है

33. **Objection as to place of suing shall be allowed in the court of first instance** is the essence of: / प्रथम दृष्टया न्यायालय में मुकदमा करने के स्थान पर आपत्ति की अनुमति दी जाएगी का सार है:
- (a) Section 21A of C.P.C. / सीपीसी की धारा 21ए
 - (b) Section 20 of C.P.C. / सी.पी.सी. की धारा 20
 - (c) Section 22 of C.P.C./ सी.पी.सी. की धारा 22
 - ✓ (d) Section 21 of C.P.C./ सी.पी.सी. की धारा 21

34. Under the Code of Civil Procedure, 1908, objection to jurisdiction as to the place of suing shall not be allowed by any Appellate or Revisional Court. Unless such objection was taken / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत, किसी भी अपीलीय या पुनरीक्षण न्यायालय द्वारा मुकदमा करने के स्थान के अधिकार क्षेत्र पर आपत्ति की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब तक ऐसी आपत्ति नहीं ली जाती

S. 21
Objection

(a) in the court of first instance. / प्रथम दृष्टया न्यायालय में।

(b) at the earliest possible opportunity. / जल्द से जल्द संभव अवसर पर।

(c) and there has been a consequential failure of justice. / और इसके परिणामस्वरूप न्याय की विफलता हुई है।

(d) when all the conditions of (a), b and c are fulfilled. / जब (ए), बी और सी की सभी शर्तें पूरी होती हैं।

35. By whom can the transfer of suit or proceeding from one state to other state be ordered? / एक राज्य से दूसरे राज्य में वाद या कार्यवाही के हस्तांतरण का आदेश किसके द्वारा दिया जा सकता है?

(a) Central Government / केंद्र सरकार

s. 25 ✓ (b) Supreme Court / उच्चतम न्यायालय

(c) High Court / उच्च न्यायालय

(d) Parliament / संसद

36. Under Section 32 of CPC, to compel the attendance of a person to whom a summon has been issued under Section 30 of CPC, the Court is empowered to / सीपीसी की धारा 32 के तहत, जिस व्यक्ति को सीपीसी की धारा 30 के तहत समन जारी किया गया है, उसे हाजिर होने के लिए बाध्य करने के लिए न्यायालय को यह अधिकार है कि वह
- (a) issue a warrant for his arrest / उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करें
 - (b) attach and sell his property / उसकी संपत्ति संलग्न करें और बेचें
 - (c) impose a fine not exceeding Rs. 5,000 / रुपये से अधिक का जुर्माना न लगाएँ 5,000
 - (d) either or b or c / या तो बी या सी

Q. 20A
↑
35 (a)
35A

35B

37. Under the Code of Civil Procedure, 1908, for the first time provision for **compensatory costs** in respect of false or vexatious claims or defences, has been made under / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत पहली बार झूठे या कष्टप्रद दावों या बचाव के संबंध में प्रतिपूरक लागत के लिए प्रावधान किया गया है।
- (a) Section 35 of the Code / संहिता की धारा 35
(b) Section 35(B) of the Code/ संहिता की धारा 35 (बी)
(c) Section 35(A) of the Code / संहिता की धारा 35 (ए)
(d) Section 34 of the Code/ संहिता की धारा 34

38. The principles governing execution of decree and orders in CPC are dealt within:/ सीपीसी में डिक्री और आदेशों के निष्पादन को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को निम्न में निपटाया जाता है:

Ram

Tan

39-43

- (a) Section 36 to 74 (substantive law) and Order 21 (procedural provisions) \ धारा 36 से 74 (मूल कानून) और आदेश 21 (प्रक्रियात्मक प्रावधान)
- (b) Section 36 to 74 (procedural provisions) and Order 21 (substantive) \ धारा 36 से 74 (प्रक्रियात्मक प्रावधान) और आदेश 21 (मूल)
- (c) Section 148A \ धारा 148ए
- (d) Section 148 to 153/ धारा 148 से 153

22-25

Before
Judgment

CASE

SEI. 22/23

39-43

↓
DCEM
(After Judgment)

39*

39. A decree for execution cannot be sent to a:
निष्पादन की डिक्री एक को नहीं भेजी जा सकती है:

Sec 45

(a) Foreign court/विदेशी अदालत

(b) Court outside India established by the authority of Central Government/केंद्र सरकार के अधिकार द्वारा स्थापित भारत के बाहर न्यायालय

(c) Both a and b/दोनों ए और बी

(d) Neither a nor b/नतोए और नही

40 Which of the following statements is correct? The court which passed the decree may transfer it to another competent court if the/ निम्नलिखित कथनों में से कौन सही है? डिक्री पारित करने वाला न्यायालय इसे किसी अन्य सक्षम न्यायालय में स्थानांतरित कर सकता है यदि

29

- (a) judgment debtor carries on business within the jurisdiction of the latter court./निर्णय देनदार बाद के न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर व्यापार करता है।
- (b) judgment debtor has no property within the jurisdiction of the former court sufficient to satisfy such decree but has property within the jurisdiction of the latter court./निर्णय देनदार के पास पूर्व अदालत के अधिकार क्षेत्र में ऐसी डिक्री को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं है, लेकिन बाद की अदालत के अधिकार क्षेत्र में संपत्ति है।
- (c) decree directs the sale of immovable property situated outside the local jurisdiction of the former court./ डिक्री पूर्व अदालत के स्थानीय अधिकार क्षेत्र के बाहर स्थित अचल संपत्ति की बिक्री का निर्देश देती है।
- (d) All these. /ये सभी।

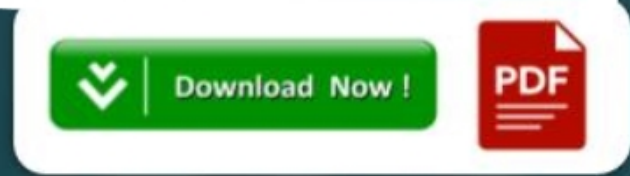
46.
148A
/ 91
/ 92

41. As per Section 46 of Code of Civil Procedure, 1908 the precept' means an order issued by the court which passed the decree and addressed to /सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 46 के अनुसार, उपदेश' का अर्थ है अदालत द्वारा जारी एक आदेश जिसने डिक्री पारित की और उसे संबोधित किया
- (a) the District Collector to effect partition of property/संपत्ति के विभाजन को प्रभावित करने के लिए जिला कलेक्टर
 - (b) another court to arrest the judgment debtor/निर्णय देनदार को गिरफ्तार करने के लिए एक और अदालत
 - (c) the other court to **attach** the property of the judgement debtor, specified in the precept/अन्य अदालत, फैसले में निर्दिष्ट निर्णय देनदार की संपत्ति संलग्न करने के लिए
 - (d) the revenue court to sell the property attached by the court/अदालत द्वारा कुर्क की गई संपत्ति को बेचने के लिए राजस्व अदालत

9 PM PDF



LINKING LAWS Free



IPC C-16 - C-23

